

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

## भाग-I (षडबल)

1. निम्न जन्मांग में ग्रहों के उच्च बल की गणना करें :-  
लग्न - कन्या 28:51, सूर्य - मेष 11:40, चन्द्र - मकर 09:06  
मंगल - मकर 27:33, बुध - मीन 18:33, गुरु - मकर 16:43  
शुक्र - मेष 15:44, शनि - वृषभ 24:33, राहु - धनु 16:23  
केतु - मिथुन 16:23 (25.4.1973, 18:00, मुम्बई)
2. उपरोक्त कुण्डली के लिए भाव दिग्बल की गणना करें। सभी भाव मध्य 18 अंश पर समझें।
3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-  
क) होरा बल ख) नैसर्गिक बल
4. रिक्त स्थान भरें :-  
i) गुरु ग्रह का दिग्बल यदि वह सप्तम भाव मध्य पर है तो ----- होगा।  
ii) यदि चतुर्थ भाव मध्य मकर के दूसरे भाग में है तो चतुर्थ भाव को दिग्बल ----- प्राप्त होगा।  
iii) एक जन्मांग में मंगल ग्रह को 60 श. का होरा बल प्राप्त हुआ है तो जन्म गुरुवार को सूर्योदय से ----- होराओं में हो सकता है।  
iv) ----- ग्रह को सदा दुगना पक्षबल मिलता है।  
v) सूर्य धनु में 9:30° पर है तो उसे ----- द्वेष्कोण बल प्राप्त होगा।  
vi) यदि बुध शीघ्रोच्च स्थान पर है तो उसे ----- चेष्टाबल प्राप्त होगा।  
vii) मंगल ग्रह मकर में 9:22° पर है तो उसे ----- युग्म युग्म बल मिलेगा।  
viii) बुध ग्रह को कम से कम ----- शष्टियांश का बल बलों होने के लिए चाहिए।  
ix) सूर्य ग्रह को 0° क्रांति पर ----- शष्टियांश का अयन बल मिलेगा।  
x) दृष्ट ग्रह दृष्टि डालने वाले ग्रह से 301° पर है तो ----- द्विक बल मिलेगा।
5. षडबल क्या है? फलादेश में षडबल का क्या उपयोग है?

## भाग-II (भाव निर्णय)

6. निम्न घटनाओं को जन्मांग में किस प्रकार देखेंगे। (कोई चार)  
i) दुर्घटना iv) विदेश निवास  
ii) अर्थ हानि v) असुखद विवाह  
iii) संतान से मन मुटाव
7. व्यवसाय सम्बन्धी विषय जन्मांग में कैसे देखे जाते हैं? इस जन्मांग का अध्ययन कर व्यवसाय सम्बन्धी फलादेश करें। (वर्ग कुण्डली का प्रयोग भी करें)।  
लग्न-कन्या 28:22, सूर्य-वृषभ 7:44, चन्द्र-मकर 24:45  
मंगल-सिंह 20:56, बुध-मेष 16:58, गुरु-वृषभ 13:27, शुक्र-वृषभ 18:19  
शनि-कुम्भ 22:45, राहु-वृषभ 20:30  
(22.5.1965, पुरुष 16:00, गाजियाबाद, उ.प्र.)
8. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i) भाव विवेचन में लग्न व लग्नेश का महत्त्व  
ii) भाव विवेचन में स्थिर कारक का प्रयोग  
iii) भाव कुण्डली का महत्त्व
9. क) निम्न जातक की विवाह संभावना पर विचार करें :-  
लग्न-धनु 25:55, सूर्य-कर्क 13:14, चन्द्र-मेष 24:12, मंगल-तुला 11:52, बुध-मिथुन 23:41, गुरु-कर्क 20:05, शुक्र-सिंह 19:00, शनि (व) मीन 19:01, राहु - मेष 18:35  
(महिला 30.7.1967, 17:45, जबलपुर, दशांश शुक्र 3-9-2)  
ख) उपरोक्त कुण्डली में गजकेसरी योग के प्रभाव पर चर्चा करें।
10. निम्न का उत्तर दें :- क) लग्नेश की विभिन्न भावों में स्थिति के क्या फल होंगे?  
ख) अष्टमेष की विभिन्न भावों में स्थिति के क्या फल होंगे?

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न कुण्डली के लिए अंशायुर्दय की गणना करें।  
लग्न-मकर 01:25, सूर्य-वृश्चिक 28:27, चन्द्रमा-सिंह 12:30, मंगल-धनु 04:25, बुध-वृश्चिक 8:19, गुरु-तुला 23:53, शुक्र-तुला 24:39, शनि(व)-कर्क 15:16, राहु-वृषभ 18:35 (14.12.1946, 9:27, दिल्ली)
2. क) आयुर्दय का वर्गीकरण किस प्रकार करते हैं? आयुर्दय निर्धारण के किसी कुण्डली में जानने क्या नियम है?  
ख) निम्न जातक की आयु किस वर्ग में आती है? समझाएं :-  
लग्न-सिंह 10:58, सूर्य-कर्क 29:59, चन्द्र-वृषभ 27:05, मंगल-मिथुन 12:02, बुध-कर्क 11:41, गुरु-कर्क 27:16, शुक्र-कर्क 27:39, शनि-सिंह 20:38, राहु-सिंह 14:59 (17.8.1979, 6:50, हैदराबाद)
3. क्या आप किसी जातक की मृत्यु का फलादेश कर सकते हैं? समझाएं। निम्न जातक की मृत्यु 9.6.1990 को हुई। क्या आप इस घटना का फलादेश कर सकते थे :  
लग्न-तुला 4:46, सूर्य-मीन 13:11, चन्द्र-कुंभ 05:45, मंगल-मकर 17:28, बुध-मीन 20:25, गुरु(व)-तुला 20:53, शुक्र-मेष 11:48, शनि-मेष 12:49, राहु-मेष 17:52 (27.3.1911, सांय 7:45, दशा शेष-मंगल 0-9-23)
4. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-  
क) दिन मृत्यु और दिन रोग  
ख) योगारिष्ट  
ग) छिद्र ग्रह  
घ) मारक ग्रह
5. निम्न का उत्तर दें :-  
क) बालारिष्ट दोष का निवारण किन योगों से होता है?  
ख) किन योगों से मध्यायु इगित होती है?

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. किसी कुण्डली में जन्मजात रोग जानने के क्या योग है? निम्न कुण्डली का अध्ययन कर अपना मत प्रकट करें :  
लग्न-मकर 23:34, सूर्य-कर्क 2:36, चन्द्रमा-मीन 13:47, मंगल-कुंभ 15:36, बुध-कर्क 17:48, गुरु-कर्क 27:45, शुक्र-मिथुन 24:19, शनि-मिथुन 11:57, राहु-वृषभ 02:33 (19.7.2003, 19:49, विशाखापटनम)
7. मानव शरीर का चित्र बनाकर, विभिन्न अंगों को कौन से नक्षत्र दर्शाते हैं, दिखाएं?
8. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :  
क) नवांश व द्বেष्कोण का महत्त्व (ख) कुण्डली का नैसर्गिक बल (ग) गुलिका व मन्दी (घ) अस्त व वक्त्री ग्रह
9. क) लम्बी अवधि के रोगों के क्या योग हैं?  
ख) निम्न जातक पैदायशी बधिर व मूक है। ज्योतिषीय कारण बताएं :-  
लग्न-तुला 25:43, सूर्य-मेष 1:25, चन्द्र-तुला 20:42, मंगल-वृषभ 12:57, बुध-मीन 10:43, गुरु-मीन 16:52, शुक्र-कुंभ 27:49, शनि(व)-वृश्चिक 27:17, राहु-मीन 17:16, (15.4.1987, 20:00, राजमुंडरी आ.प्र.)
10. निम्न का उत्तर दें :-  
क) हृदय संबंधी रोग के क्या योग होते हैं? उदाहरण सहित समझाएं।  
ख) मानसिक रोग होने के योग उदाहरण सहित समझाएं।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (दशा पद्धति)

1. किन्ही दो का उत्तर दें :-  
क) विशोत्तरी दशा पद्धति में जन्म नक्षत्र का क्या योगदान है? इसकी महत्ता समझाएं।  
ख) बृहस्पति महादशा में विभिन्न अन्तर दशाओं के क्या फल होंगे। (विशोत्तरी दशा पद्धति में)?  
ग) योगिनी महादशा फलादेश में किन मुख्य विषयों पर विचार किया जाता है?
2. आप निम्न विषयों का ज्योतिष द्वारा कैसे समय ज्ञात करते हैं?  
क) विवाह ख) संतान उत्पत्ति ग) प्रथम नौकरी घ) वाहन खरीदना
3. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर विवाह की संभावना व समय पर प्रकाश डालें।  
लग्न-वृश्चिक 24:55, सूर्य-तुला 21:53, चन्द्रमा-मेष 5:59, मंगल-तुला 16:05, बुध (व)-तुला 26:42, गुरु (व)-मीन 00:59 शुक्र-कन्या 5:53, शनि-वृश्चिक 14:23, राहु-वृषभ 26:14, (8.11.1927, 09:16, हैदराबाद, केतु 3-10-9)
4. प्रश्न 3 के जातक के व्यवसाय क्षेत्र पर प्रकाश डालें, विशेष तौर पर 1974 से 1992 की अवधि में।
5. निम्न जातक की बुध महादशा व केतु अन्तर दशा का फलादेश करें :-  
लग्न-धनु 19:07, सूर्य-वृश्चिक 19:09, चन्द्रमा-वृषभ 23:56, मंगल-धनु 05:56, बुध-धनु 04:26, गुरु-सिंह 13:04, शुक्र-तुला 12:56, शनि(व)-वृषभ 29:15, राहु-कन्या 20:01 (3.12.1884, 8:20, 87 पू. 08, 25 उ. 53, मंगल 6-8-8)

### भाग-II (गोचर)

6. किन्ही दो का उत्तर दें :-  
क) नक्षत्र अंगफल से क्या अभिप्राय है? चर्चा करें  
ख) लता के सिद्धांत पर चर्चा करें।  
ग) नक्षत्र स्थितियों के प्रभाव पर लिखें।
7. बृहस्पति ग्रह के मई 2011 से मई 2012 तक के गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव लिखें।
8. वैदिक ज्योतिष में चन्द्रमा को गोचर फलादेश के लिए क्यों आधार मानते हैं? सूर्य, शनि, मंगल राहु और केतु के लिए चन्द्रमा से कौन से भाव शुभ व अशुभ होते हैं?
9. दशा अन्तर दशा फलों पर गोचर ग्रहों का क्या प्रभाव पड़ता है? विवाह एवं संतान उत्पत्ति में कौन से विषय सहायक होते हैं?
10. शनि के 7 वर्ष एवं 6 माह के गोचर से आप क्या समझते हैं? क्या यह सदा अशुभ होता है? एक उदाहरण सहित समझाएं।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

## भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. क) जैमिनी ज्योतिष की विशेषताएं बताएं।  
ख) समझाएं कि किस प्रकार रुद्र, महेश्वर व ब्रह्मा का फलादेश में प्रयोग किया जाता है?
2. क) निम्न जन्मांग के लिए पद लग्न की गणना करें।  
ख) उपपद प्रयोग करते हुए जातक के वैवाहिक स्थिति पर प्रकाश डालें।  
12.01.1972, 17:45 बजे, दिल्ली, महिला  
दशा शेष - शनि 7 वर्ष 8 माह 10 दिन  
लग्न-मिथुन 29:11, सूर्य-धनु 27:55, चन्द्र-वृश्चिक 11:16, मंगल-मीन 17:23  
बुध-धनु 7:32, गुरु-धनु 1:23, शुक्र-कुंभ 1:29, शनि (व) - वृषभ 6:26, राहु-मकर 11:49, केतु-कर्क 11:49
3. निम्न कथन सत्य है अथवा असत्य :-  
i) यदि गुरु कारकांश से नवें में हो तो जातक कृषक होता है।  
ii) यदि सूर्य कारकांश से सप्तम हो तो पत्नि ललित कलाओं में निपुण होती है।  
iii) चन्द्र व मंगल में बली ग्रह माता को दर्शाता है।  
iv) सूर्य या शुक्र से अष्टम राशि मृत्यु का कारण बनती है।  
v) उपपद लग्न से चन्द्रमा नवम हो तो पुत्र देता है।  
vi) आरुढ़ लग्न से गुरु द्वादश हो तो जातक कर (Tax) देता है।  
vii) सप्तम भाव या तुला हृदय के कारक है।  
viii) आत्मकारक से द्वितीय, चतुर्थ और पंचम भाव में समान संख्या में शुभ ग्रह हो तो जातक असीम शक्ति व स्थान प्राप्त करता है।  
ix) यदि चतुर्थ राशि अथवा राशीश कारकांश पर दृष्टि डाले तो जातक सुखी होगा।  
x) यदि पूर्ण चन्द्रमा और शुक्र कारकांश से द्वितीय हो तो जातक शिक्षक हो सकता है।
4. प्रश्न 5 की कुण्डली के आधार पर निम्न का उत्तर दें :-  
क) जातक का क्या व्यवसाय है?  
ख) जातक के संतान की व्यवसायिक जीवन पर प्रकाश डालें।
5. जैमिनी सूत्र प्रयोग कर निम्न जातक की आयु की गणना करें।  
3.6.1924, 9:30 बजे, 10उ.48, 79पू.06  
दशा शेष : मंगल - 5व. 9मा. 29 दिन  
लग्न-कर्क 9:17, सूर्य-वृषभ 19:29, चन्द्र-वृषभ 25:35, मंगल - मकर 28:27 बुध-मेष 25:30, गुरु(व)-वृश्चिक 22:35, शुक्र-मिथुन 23:54, शनि-तुला 03:21 राहु-सिंह 03:02, केतु-कुंभ 03:02

## भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डलियों का वैवाहिक मेलापक करें।

लग्न/ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट	लग्न/ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट
पुरुष				महिला			
लग्न	वृषभ	22	57	लग्न	मीन	24	56
सूर्य	कन्या	05	00	सूर्य	सिंह	03	26
चन्द्र	मिथुन	16	19	चन्द्र	मकर	01	08
मंगल	कर्क	18	43	मंगल	कर्क	10	52
बुध	तुला	01	06	बुध	कन्या	00	45
गुरु	कन्या	22	19	गुरु	वृश्चिक	08	12
शुक्र	तुला	16	35	शुक्र(व)	सिंह	10	33
शनि	कन्या	17	28	शनि	तुला	06	05
राहु	कर्क	06	24	राहु	वृषभ	29	35
केतु	मकर	06	24	केतु	वृश्चिक	29	35

पुरुष - 21.09.1981, 22:20, जलालाबाद, दशा शेष - राहु 4.11.20

महिला - 20.8.1983, 21:20, दिल्ली, दशा शेष - सूर्य 3.12.01

7. निम्न जातक के विवाह के समय की गणना करें :-

28.05.1984, 18:02, 11 उ 00, 77 पू 00, पुरुष

लग्न-वृश्चिक 5:44, सूर्य - वृषभ 13:43, चन्द्र - मेष 17:53

मंगल (व) - तुला 21:23, बुध - मेष 20:12, गुरु (व) - धनु 18:04

शुक्र - वृषभ 08:43, शनि (व) - तुला 17:38, राहु - वृषभ 12:58

केतु-वृश्चिक 12:58

दशा शेष : शुक्र . 13व. 01 मा. 29 दि.

8. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

क) विधुर के ज्योतिषिय योग

ख) सप्तमेष के विभिन्न भावों में स्थिति के फल

9. क) बहु विवाह के पांच योग।

ख) प्र. 5 के जातक के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।

10. समझाएं :-

i) कालत्र दोष

ii) दशा संधि

iii) अनुकूल षष्टक दोष

iv) सप्तम में मंगल

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2011

## प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. निम्न कुण्डली का विश्लेषण कर बताएं कि :-  
क) जातक का व्यवसाय क्या है?  
ख) क्या वह केन्द्र अथवा राज्य अथवा दोनों में मंत्री थे?  
05.11.1930, 20:57, 24 उ. 33, 81 पू. 17, पुरुष, केतु 1-7-26  
लग्न-मिथुन 14:52, सूर्य-तुला 19:36, चन्द्र-मेष 10:11, मंगल-कर्क 14:11  
बुध-तुला 18:43, गुरु-मिथुन 27:37, शुक्र(व)-वृश्चिक 14:15, शनि-धनु 14:52, राहु-मेष 0:48, केतु-तुला 0:48
2. किन्हीं दो के पांच-पांच ज्योतिषिय योग दें :-  
i) जायदाद प्राप्त करना ii) शैक्षिक योग्यता  
iii) याहन दुर्घटना iv) वैवाहिक सुख
3. निम्न पुरुष जातक के लिए नवांश व दशांश बनाएं। इनके आधार पर जातक की शैक्षिक, व्यवसायिक व साहित्यिक जीवन पर प्रकाश डालें।  
28.6.1933, 9:00, 26 उ. 14, 84 पू. 21, केतु 1-9-18  
लग्न-सिंह 3:50, सूर्य-मिथुन 13:02, चन्द्र-सिंह 9:55, मंगल-कन्या 2:26,  
बुध-कर्क 8:23, गुरु-सिंह 23:40, शुक्र-कर्क 01:04, शनि(व)-मकर 22:38,  
राहु-कुंभ 06:53, केतु-सिंह 06:53
4. जन्मांग का अध्ययन कर किन्हीं दो का ज्योतिषीय उत्तर दें :-  
i) निम्न जन्मांग में कौन से योग है?  
ii) 24.8.1982 को पिता की मृत्यु किस प्रकार हुई?  
iii) कितने भाई एवं बहिन हैं?  
iv) विवाह कब हुआ होगा?  
15.7.1960, 04:00, 77 पू. 13, 28 उ. 40, शनि 4-9-2  
लग्न-कुंभ 19:25, सूर्य-मेष 01:39, चन्द्र-वृश्चिक 13:19, मंगल-कुंभ 16:27  
बुध-मीन 05:10, गुरु-धनु 10:16, शुक्र-मीन 13:27, शनि-धनु 24:59,  
राहु-कन्या 01:01 केतु-मीन 01:01
5. प्रश्न 1 के लिए सप्तांश बनाएं। क्या जातक की संतान ने जातक का व्यवसाय अपनाया? फलादेश में इस वर्ग का किस प्रकार प्रयोग करेंगे?

### भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. वर्ष 2011 के लिए आर्द्र प्रवेश (22.6.11, 16:06, दिल्ली) कुण्डली बनाएं एवं वर्षा का फलादेश करें।
7. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-  
i) सप्त नाड़ी चक्र ii) ग्रहण का प्रभाव iii) सोने व चांदी में उतार व चढ़ाव  
iv) रेल दुर्घटना
8. कैसे बताएंगे :- i) सूखा ii) चक्रवात iii) महामारी
9. कूर्म चक्र का मेदनीय ज्योतिष में क्या प्रयोग है?
10. भूकम्प का फलादेश किस प्रकार करते हैं? कारण सहित उदाहरण दें।